ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

कर्ण का मित्र प्रेम

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : कर्ण का मित्र प्रेम
PPT-3

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

2. "है ऋणी कर्ण का रोम-रोम,
जानते सत्य यह सूर्य-सोम
तन मन धन दुर्योधन का है,
यह जीवन दुर्योधन का है
सुर पुर से भी मुख मोड़ूँगा,
केशव ! मैं उसे न छोड़ूंगा

शब्दार्थ -

ऋणी = कर्ज़दार
सोम = चंद्र
सुरपुर = स्वर्ग
तन = शरीर

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भावार्थ - दुर्योधन के प्रति अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करते हुए कर्ण ने कहा कि मेरा रोम

- रोम दुर्योधन का ऋणी है। सूर्य और चंद्रमा इस बात के प्रमाण हैं। मैं स्वर्ग को छोड़

सकता हूँ , परन्तु दुर्योधन को नहीं छोड़ सकता ।

संबंधित प्रश्न -

१. कर्ण किसका ऋणी था?
२. कर्ण ने ऋणी होने की बात क्यों कही ?
३. कर्ण ने प्रमाण के तौर पर किस -किसका नाम बताया ?
४. ये कविता की पंक्तियाँ कर्ण की किस भावना को दर्शाती है?

गृहकार्य - तीसरी पंक्तियों को पढ़कर आना ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow